मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 20

अनुक्रमांक

नाम

901 801(AB)

2018

हिन्दी

केवल प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 70

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1\. क) निम्नलिखित कथनों में से कोई **एक** कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए : 1

i) डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी प्रसिद्ध कवि हैं ।

ii) 'कानन-कुसुम' जयशंकर प्रसाद की प्रसिद्ध कहानी है ।

iii) डॉ० नगेन्द्र प्रसिद्ध आलोचक हैं ।

iv) 'गोदान' प्रेमचन्द का प्रसिद्ध काव्य है ।

[Turn over

ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी **एक** के लेखक का नाम लिखिए : 1

i) रस-मीमांसा

ii) अर्द्धनारीश्वर

iii) हिमालय की पुकार

iv) आकाश दीप ।

ग) किसी एक एकांकी के लेखक का नामोल्लेख कीजिए । 1

घ) 'ठूँठा आम' के लेखक का नाम लिखिए । 1

ङ) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' किस विधा की रचना है ? 1

2. क) द्विवेदी युग के दो प्रमुख कवियों के नाम लिखिए । 2

ख) छायावादी युग की किन्हीं दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए । 2

ग) 'कर्णफूल' तथा 'रसवन्ती' के रचयिताओं के नाम लिखिए । 1

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी **एक** के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2 = 6

क) जब एक बार मनुष्य अपना पैर कीचड़ में डाल देता है, तब फिर यह नहीं देखता कि वह कहाँ और कैसी जगह पैर रखता है । धीरे-धीरे बुरी बातों में अभ्यस्त होते-होते तुम्हारी घृणा कम हो जायेगी ।

पीछे तुम्हें उनसे चिढ़ न मालूम होगी क्योंकि तुम यह सोचने लगोगे कि चिढ़ने की बात ही क्या है ? तुम्हारा विवेक कुंठित हो जायेगा और तुम्हें भले-बुरे की पहचान न रह जायेगी । अंत में होते-होते तुम भी बुराई के भक्त बन जाओगे । अतः हृदय को उज्ज्वल और निष्कलंक रखने का सबसे अच्छा उपाय यही है कि बुरी संगति की छूत से बचो ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए ।

iii) सबसे अच्छा उपाय क्या है ?

ख) कितना जीवन बरस पड़ा है इन दीवारों पर जैसे फसाने-अजायब का भण्डार खुला पड़ा हो । कहानी से कहानी टकराती चली गई है । बन्दरों की कहानी, हाथियों की कहानी, हिरनों की कहानी । कहानी क्रूरता और भय की, दया और त्याग की । जहाँ बेरहमी है वहाँ दया का भी समुद्र उमड़ पड़ा है, जहाँ पाप है वहाँ क्षमा का सोता फूट पड़ा है । राजा और कँगले, बिलासी और भिक्षु, नर और नारी, मनुष्य और पशु सभी कलाकारों के हाथों सिरजते चले गये हैं ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) कलाकारों के हाथों क्या सिरजते चले गये हैं ?

[Turn over

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी **एक** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए और उसका काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए :

1 + 4 + 1 = 6

क) अविगत-गति कछु कहत न आवै ।
ज्यौं गूँगे मीठे फल कौ रस, अंतरगत ही भावै ॥
परम स्वाद सबही सु निरन्तर, अमित तोष उपजावै ।
मन-बानी कौं अगम-अगोचर, सो जानैं जो पावै ॥
रूप-रेख-गुन जाति-जुगति-बिनु, निरालंब कित धावै ।
सब विधि अगम बिचारहिं तातैं, सूर सगुन-पद गावै ॥

ख) शोभित है सर्वोच्च मुकुट से
जिनके दिव्य देश का मस्तक
गूँज रही हैं सकल दिशाएँ
जिनके जय-गीतों से अब तक
जिनकी महिमा का है अविरल
साक्षी सत्यरूप हिम-गिरि-वर
उतरा करते थे विमान-दल
जिसके विस्तृत वक्ष स्थल पर ।

5. क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी कोई **एक** रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3

i) जयशंकर प्रसाद

ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

iii) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी ।

ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय दीजिए और उनकी **एक** रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3

i) तुलसीदास

ii) सुमित्रानन्दन पंत

iii) सुभद्राकुमारी चौहान ।

[Turn over

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1 + 3 = 4

"विश्वस्य स्रष्टा ईश्वरः एक एव" इति भारतीय संस्कृतेः मूलम् । विभिन्न मतावलम्बिनः विविधैः नामभिः एकं एव ईश्वरम् भजन्ते । अग्निः, इन्द्रः, कृष्णः करीमः, रामः, रहीमः, जिनः, ख्रिस्तः, बुद्धः, अल्लाहः, इत्यादीनि नामानि एकस्य एव परमात्मनः सन्ति । तम् एव ईश्वरं जनाः गुरुः इत्यपि मन्यन्ते । अतः सर्वेषाम् मतानां समभावः सम्मानश्च अस्माकम् संस्कृतेः सन्देशः ।

अथवा

रात्रिर्गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातं,
भास्वानुदेष्यति हसिष्यति पंकजालिः ।
इत्थं विचिन्तयति कोशगते द्विरेफे,
हा हन्त ! हन्त ! नलिनीं गज उज्जहार ॥

7. क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया गया कोई **एक** श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । 2

ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1 + 1

i) इन्दु दर्शनेन क: वर्धते ?

ii) सुवर्णस्य किं मुख्यं दु:खम् अस्ति ?

iii) वीर: केन पूज्यते ?

iv) आतुरस्य मित्रं किम् अस्ति ?

8. क) हास्य रस की परिभाषा लिखकर उसका **एक** उदाहरण दीजिए । 2

अथवा

[Turn over

कौरवों का श्राद्ध करने के लिए

या कि रोने को चिता के सामने

शेष अब है रह गया कोई नहीं

एक वृद्धा एक अन्धे के सिवा ।

उपर्युक्त पंक्तियों में समाहित रस का नाम लिखिए तथा स्थायी भाव का उल्लेख भी कीजिए ।

ख) उपमा अलंकार की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए । 2

अथवा

रूपक अलंकार की परिभाषा लिखिए तथा उदाहरण दीजिए ।

ग) रोला छन्द का का एक उदाहरण लिखिए और उसकी पहचान बताइए । 2

9. क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं **तीन** के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1 + 1 = 3

i) प्र

ii) अप

iii) सु

iv) अन

v) अधि

vi) परा

vii) परि ।

[Turn over

ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1 = 2

i) आई

ii) वा

iii) त्व

iv) पन

v) हट

vi) ता ।

ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : 2

i) चक्रपाणि

ii) शुभ-अशुभ

iii) नवरत्न

iv) नीलकमल ।

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए : 2

i) भीख

ii) कपूर

iii) जीभ

iv) मौत ।

ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 2

i) पृथ्वी

ii) कमल

iii) आकाश

iv) नेत्र ।

10. क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए : 2

i) गुरु + आदेश

ii) महा + ओजः

iii) लृ + आकृतिः

iv) तथा + एव ।

ख) निम्नांकित शब्दों के रूप पंचमी विभक्ति बहुवचन में लिखिए : 2

i) मधु अथवा मति

ii) तद् अथवा युष्मद् ।

ग) निम्नलिखित में से किसी **एक** की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : 2

i) हसतु

ii) पश्यन्ति

iii) पठाम: ।

घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2

i) अपने राष्ट्र की रक्षा करना हमारा धर्म है ।

ii) मुझे घर जाना चाहिए ।

iii) पेड़ से पत्ते गिरते हैं ।

iv) काशी संस्कृत भाषा का केन्द्र है ।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

i) भ्रष्टाचार उन्मूलन

ii) पर्यावरण-प्रदूषण

iii) विज्ञान का महत्व

iv) स्वदेश-प्रेम

v) विद्यार्थी और अनुशासन ।

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लिखिए : 3

क) i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष चन्द्र बोस की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

ख) i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर की चारित्रिक विशेषताओं को लिखिए ।

ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए ।

ग) i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

घ) i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर भामाशाह का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के प्रताप सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

http://www.upboardonline.com

ङ) i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

च) i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर षष्ठ सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

छ) i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर राम का चरित्रांकन कीजिए ।

[Turn over

ज) i) 'मातृभूमि के लिए' की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण संक्षेप में कीजिए ।

झ) i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग का सारांश लिखिए ।

ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

901 **801(HA)**

2018

हिन्दी

केवल प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 70**

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए : 1
   (i) डॉ. रामविलास शर्मा जाने-माने आलोचक हैं।
   (ii) पदुमलाल पुन्नालाल बक्शी प्रसिद्ध नाटककार हैं।
   (iii) 'भारतीय संस्कृति' के लेखक डॉ. रामधारी सिंह 'दिनकर' हैं।
   (iv) 'चिन्तामणि' निबन्ध के लेखक वियोगी हरि हैं।

   (ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के लेखक का नाम लिखिए : 1
   (i) ठूँठा आम
   (ii) रेती के फूल
   (iii) कानन कुसुम
   (iv) दुनिया रंग-बिरंगी

   (ग) 'जंजीरें और दीवारें' किस विधा पर आधारित रचना है ? 1

   (घ) 'मेरी अपनी आत्मकथा' के लेखक का नाम लिखिए। 1
   (ङ) हिन्दी के किसी एक संस्मरण लेखक का नाम लिखिए। 1

2. (क) प्रयोगवादी काव्य की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 2
   (ख) रीतिकाल की कोई प्रमुख दो प्रवृत्तियाँ लिखिए। 2
   (ग) छायावाद के किसी एक कवि का नामोल्लेख कीजिए। 1

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2 = 6

   (क) जो तरुण संसार के जीवन-संग्राम से दूर हैं, उन्हें संसार का चित्र बड़ा ही मनम्प्रेहक प्रतीत होता है। जो वृद्ध हो गये हैं, जो अपनी बाल्यावस्था और तरुणावस्था से दूर हट आए हैं, उन्हें अपने अतीत काल की स्मृति बड़ी सुखद लगती है। वे अतीत का ही स्वप्न देखते हैं। तरुणों के लिए जैसे भविष्य उज्ज्वल होता है वैसे ही वृद्धों के लिए अतीत। वर्तमान से दोनों को असन्तोष होता है। तरुण भविष्य को वर्तमान में लाना चाहते हैं और वृद्ध अतीत को खींचकर वर्तमान में देखना चाहते हैं। तरुण क्रान्ति के समर्थक होते हैं और वृद्ध अतीत-गौरव के संरक्षक। इन्हीं दोनों के कारण वर्तमान सदैव क्षुब्ध रहता है और इसी से वर्तमान काल सदैव सुधारों का काल बना रहता है।

   (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
   (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
   (iii) युवा और वृद्ध व्यक्तियों के वैचारिक अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

(ख) उच्च और महान कार्य में इस प्रकार सहायता देना, मन बढ़ाना और साहस दिलाना कि तुम अपनी निज की सामर्थ्य से बाहर काम पर जाओ। यह कर्तव्य उसी से पूरा होगा, जो दृढ़-चित्त और सत्य संकल्प का हो। इससे हमें ऐसे ही मित्रों की खोज में रहना चाहिए, जिनमें हमसे अधिक आत्मबल हो। हमें उनका पल्ला उसी तरह पकड़ना चाहिए, जिस तरह सुग्रीव ने राम का पल्ला पकड़ा था। मित्र हों तो प्रतिष्ठित और शुद्ध हृदय के हों, मृदुल और पुरुषार्थी हों, शिष्ट और सत्यनिष्ठ हों, जिससे हम अपने को उनके भरोसे पर छोड़ सकें और यह विश्वास कर सकें कि उनसे किसी प्रकार का धोखा न होगा।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) अच्छे मित्र का क्या कर्तव्य होना चाहिए ?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए और उसका काव्यगत सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 1 + 4 + 1 = 6

(क) बुरौ बुराई जो तजै, तौ चित्त खरौ डरातु।
ज्यौं निकलंक मयंक लखि, गनै लोग उतपातु।।
स्वारथु सुकृतु, न श्रमवृथा, देखि बिहंग बिचारि।
बाज पराऐं पानि परि, तूँ पच्छीनु न मारि।।

(ख) निर्भय स्वागत करो मृत्यु का,
मृत्यु एक है विश्राम स्थल।
जीव जहाँ से फिर चलता है,
धारण कर नव जीवन सबल।।
मृत्यु एक सरिता है, जिसमें
श्रम से कातर जीव नहाकर।
फिर नूतन धारण करता है,
काया रूपी वस्त्र बहाकर।।

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय दीजिए और उनकी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(iii) डॉ. रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय दीजिए तथा उनकी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3

(i) तुलसीदास

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) माखनलाल चतुर्वेदी

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1 + 3 = 4

अन्ततः भोजनं बिना सकलः समाजः सुप्तः अभवत्। इमानि यन्त्राणि अत्र केवलम् इदं विज्ञापयितुं प्रचलन्ति यद् अन्यस्य कस्यचित् लोकस्य मानवः इदं तथ्यं जानीयात् अस्माकं सन्देशं च गृह्णात्। अचिरमेव इदं सर्वं स्वमेव विनङ्क्ष्यति। एवं विज्ञाय सः ध्वनिः सहसा विरतः तत्र कोऽपि महान् घर्घरनादः च उत्थितः। अहमपि भूमौ अपतम्। तदा मया ज्ञातं यद् अहम् एकं विचित्रं स्वप्नम् अपश्यम्। अहं वारं वारम् अचिन्तयं यदि वयमपि अन्नोत्पादने रक्षणे च सावधाना न भवेम तर्हि अस्माकं पृथिवी लोकः अपि तथैव संकटापन्नः भविष्यन्ति।

अथवा

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत्।।

7. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ कोई श्लोक लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो। 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1 + 1 = 2

(i) वाराणसी नगरी केषां संगम स्थली अस्ति ?
(ii) प्रहेलिकायाः किम् उत्तरम् आसीत ?
(iii) भारतीय संस्कृतिः कीदृशी अस्ति ?
(iv) तृणात् बहुतरं किम् अस्ति ?

8. (क) 'हास्य रस' अथवा 'करुण रस' की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ख) 'रोला' अथवा 'सोरठा' की परिभाषा सोदाहरण लिखिए। 2

(ग) 'रूपक' अथवा 'उपमा' अलंकार की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण भी दीजिए। 2

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1 + 1 = 3

(i) अन (ii) अप (iii) निर्
(iv) अभि (v) उप (vi) अ

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1 = 2

(i) ता (ii) पन (iii) आई
(iv) वट (v) त्व (vi) हट

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का समास-विग्रह कीजिए और समास का नाम भी लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) तिरंगा (ii) देश-विदेश (iii) प्रधानमंत्री
(iv) मृगनयन (v) पंकज (vi) सप्तसिन्धु

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के तत्सम रूप लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) गेहूँ (ii) धान (iii) नखत
(iv) कन्धा (v) हल्दी (vi) बाती

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अश्व (ii) कामदेव (iii) पृथ्वी
(iv) मेघ (v) जल (vi) वायु

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अति + आचार (ii) प्रति + एक
(iii) तथा + एव (iv) दंत + ओष्ठ

(ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप पंचमी विभक्ति द्विवचन में लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) मधु अथवा युष्मद्
(ii) फल अथवा पयस्

(ग) निम्नलिखित में से किसी **एक** की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए : 2

(i) भवतम्
(ii) हसेयम्
(iii) द्रक्ष्यथ

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) सदा सत्य बोलना चाहिए।
(ii) वाराणसी गंगा तट पर स्थित है।
(iii) वह दिल्ली गया।
(iv) छात्र मैदान में खेलते हैं।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) यातायात की समस्याएँ एवं उनका निराकरण

(ii) सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा

(iii) राष्ट्रीय एकता का महत्त्व

(iv) बाढ़ का विनाशकारी दृश्य

(v) पर्यावरण प्रदूषण : समस्या एवं रोकथाम

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए : 3

(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ख) (i) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य के जिस पात्र ने आपको सबसे अधिक प्रभावित किया हो, उसका चरित्रांकन कीजिए ।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर शिशुपाल का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर किसी प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए जिसने आपको प्रभावित किया हो ।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाषचन्द्र बोस की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए ।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर द्वितीय सर्ग की कथावस्तु का उल्लेख कीजिए ।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं को लिखिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथा-सार अपने शब्दों में लिखिए ।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य की जिस घटना ने आपको प्रभावित किया हो उसका वर्णन कीजिए ।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

901

801(HB)

2018

हिन्दी

केवल प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 70

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए : 1

(i) इलाचन्द्र जोशी एकांकीकार के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(ii) 'झूठा सच' के लेखक यशपाल हैं।

(iii) 'दैनिकी' प्रसिद्ध कहानी संग्रह है।

(iv) राहुल सांकृत्यायन लब्धप्रतिष्ठ आलोचनाकार हैं।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक रचना के लेखक का नाम लिखिए : 1

(i) 'विचार वीथी'

(ii) 'एक घूँट'

(iii) 'वट पीपल'

(iv) 'उनका बचपन यूँ बीता'

(ग) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' किस विधा की रचना है ? 1

(घ) किसी एक रिपोर्ताज लेखक का नाम लिखिए। 1

(ङ) किसी एक प्रमुख संस्मरण लेखक का नामोल्लेख कीजिए। 1

Scanned with CamScanner

2. (क) रीतिकाल की प्रमुख दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। 2

(ख) प्रगतिवादी साहित्य की किन्हीं दो प्रवृत्तियों का नाम लिखिए। 2

(ग) निम्नलिखित रचनाओं में से किसी एक रचना के लेखक का नाम लिखिए : 1

(i) 'युगपथ'

(ii) 'अग्निरेखा'

(iii) 'मिलन'

(iv) 'हिमकिरीटिनी'

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2 = 6

(क) ईर्ष्या का यही अनोखा वरदान है। जिस मनुष्य के हृदय में ईर्ष्या घर बना लेती है, वह उन चीजों से आनन्द नहीं उठाता, जो उसके पास मौजूद हैं, बल्कि उन वस्तुओं से दुख उठाता है, जो दूसरों के पास हैं। वह अपनी तुलना दूसरों के साथ करता है और इस तुलना में अपने पक्ष के सभी अभाव उसके हृदय पर दंश मारते रहते हैं। दंश के इस दाह को भोगना कोई अच्छी बात नहीं है। मगर ईर्ष्यालु मनुष्य करे भी तो क्या ? आदत से लाचार होकर उसे यह वेदना भोगनी पड़ती है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) ईर्ष्या की किन विशेषताओं का उल्लेख किया गया है ?

Scanned with CamScanner

(ख) हिन्दी में प्रगतिशील साहित्य का निर्माण हो रहा है। उसके निर्माता यह समझ रहे हैं कि उनके साहित्य में भविष्य का गौरव निहित है। पर कुछ ही समय के बाद उनका यह साहित्य भी अतीत का स्मारक हो जाएगा और आज जो तरुण हैं वही वृद्ध होकर अतीत के गौरव का स्वप्न देखेंगे। उनके स्थान पर तरुणों का फिर दूसरा दल आ जाएगा, जो भविष्य का स्वप्न देखेगा। दोनों के स्वप्न सुखद होते हैं, क्योंकि दूर के ढोल सुहावने होते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।

(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(iii) लेखक के "दूर के ढोल सुहावने होते हैं" कथन का क्या आशय है ?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए तथा काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 1 + 4 + 1 = 6

(क) लखन लखेउ रघुवंसमनि ताकेउ हर कोदंडु।
पुलकि गात बोले बचन चरन चापि ब्रह्मांडु ॥
दिसिकुंजरहु कमठ अहि कोला,
धरहु धरनि धरि धीर न डोला।
रामु चहहिं संकर धनु तोरा,
होहु सजग सुनि आयसु मोरा ॥
चाप समीप रामु जब आए,
नर नारिन्ह सुर सुकृत मनाए ॥
सब कर संसउ अरु अग्यानू,
मंद महीपन्ह कर अभिमानू ॥
भृगुपति केरी गरब गरुआई,
सुर मुनिबरन्ह केरि कदराई ॥
सिय कर सोचु जनक पछितावा,
रानिन्ह कर दारुन दुख दावा ॥
संभुचाप बड़ बोहितु पाई,
चढ़े जाइ सब संगु बनाई ॥

(ख) पहन ले नर-मुंड माला,

उठ स्वमुंड सुमेरु कर ले,

भूमि सा तू पहन बाना आज धानी,

प्राण तेरे साथ हैं, उठ री जवानी।

द्वार बलि का खोल

चल भूडोल कर दें

एक हिम-गिरि एक सिर,

का मोल कर दें,

मसलकर अपने

इरादों सी, उठाकर

दो हथेली हैं कि

पृथ्वी गोल कर दें ?

रक्त है ? या है नसों में क्षुद्र पानी ?

जाँचकर, तू सीस दे-देकर जवानी ?

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए और उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(iii) डॉ. भगवतशरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3

(i) सूरदास

(ii) बिहारीलाल

(iii) महादेवी वर्मा

Scanned with CamScanner

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1 + 3 = 4

तत्रासीत् एकः महान् कक्षः यस्मिन् द्वारं समुन्नतम् आसीत् । तत्रापि कपाटौ स्वचालितौ अनावृत्तौ च अभवताम् । तस्मिन् विस्तीर्णे भवने स्वयंचालित चित्रपट-कार्यक्रमः प्रचलन आसीत् । एको मन्दो ध्वनिः अश्रूयत । तस्मिन् तस्य लोकस्य कथा एवं वर्णिता ।

अथवा

मानं हित्वा प्रियो भवति,
क्रोधं हित्वा न शोचति ।
कामं हित्वार्थवान् भवति,
लोभं हित्वा सुखी भवेत् ।।

7. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो । 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1 + 1 = 2

(i) भारतीयसंस्कृतेः कः दिव्यः संदेशः ?

(ii) कलहः केन वर्धते ?

(iii) पदेन बिना किं दूरं याति ?

(iv) अक्षलेन्द्रः कः आसीत ?

(v) स्वर्णस्य किं मुख्यं दुःखम् अस्ति ?

8. (क) 'हास्य' अथवा 'करुण' रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । 2

(ख) 'उपमा' अथवा 'रूपक' अलंकार का लक्षण और उदाहरण दीजिए । 2

(ग) 'रोला' अथवा 'सोरठा' की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । 2

Scanned with CamScanner

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1 + 1 = 3

(i) अन (ii) अभि (iii) अनु

(iv) सह (v) निर्

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1 = 2

(i) त्व (ii) ता (iii) पन

(iv) हट (v) वट

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अन्न-जल (ii) गंगाधर

(iii) त्रिफला (iv) सत्पुरुष

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) पत्थर (ii) बेल

(iii) बछड़ा (iv) कुआँ

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) पानी (ii) कमल

(iii) सूर्य (iv) पृथ्वी

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि-विच्छेद कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) प्रत्युत्तरम् (ii) महोजः

(iii) सदैव (iv) इत्यादिः

(ख) निम्नलिखित शब्दों के षष्ठी विभक्ति बहुवचन के रूप लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) नदी अथवा मधु

(ii) मति अथवा फल

(W-2)

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए : 2

(i) पठन्तु (ii) हसेत् (iii) पक्ष्यामि

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो के संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2

(i) भारतीय संस्कृति उदग्र और गतिशील है।

(ii) शिष्य ने गुरु से प्रश्न किया।

(iii) दान से कीर्ति बढ़ती है।

(iv) वे लड़के दिन में कहाँ पढ़ेंगे ?

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) ग्राम्य स्वच्छता

(ii) विद्यालय में अनुशासन का महत्त्व

(iii) मेरा प्रिय पर्व

(iv) वृक्षारोपण

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए : 3

(क) (i) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर उसके प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य का कथा-सार प्रस्तुत कीजिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के मुख्य पात्र के चरित्र की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

Scanned with CamScanner

(घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' के अरावली सर्ग की कथा प्रस्तुत कीजिए।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर किसी नारी पात्र की चारित्रिक विशेषताओं को लिखिए।

(ङ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर 'आजाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(च) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'मेघनाद अभियान' सर्ग की कथा लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के मुख्य पात्र का चरित्रांकन कीजिए।

(छ) (i) 'कर्मवीर भरत' के 'राम-भरत-मिलन' सर्ग की कथा प्रस्तुत कीजिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

(ज) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथा लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(झ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

Scanned with CamScanner

901

801(HC)

2018

हिन्दी

केवल प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट — पूर्णांक : 70

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए : 1
   (i) जयशंकर प्रसाद एक आलोचक के रूप में प्रसिद्ध हैं ।
   (ii) 'प्रेमचन्द अपने घर में' की लेखिका शिवरानी देवी हैं ।
   (iii) रामचन्द्र शुक्ल की गणना श्रेष्ठ कवि के रूप में होती है ।
   (iv) 'रांगेय राघव' कवि के रूप में प्रसिद्ध हैं ।

   (ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के लेखक का नाम लिखिए : 1
   (i) 'चलो चाँद पर चलें'
   (ii) 'तुम चन्दन हम पानी'
   (iii) 'प्रतिध्वनि'
   (iv) 'अशोक के फूल'

   (ग) 'अर्द्धनारीश्वर' किस विधा की रचना है ? 1

   (घ) रिपोर्ताज विधा के किसी एक लेखक का नाम लिखिए । 1

   (ङ) 'दक्षिण भारत की एक झलक' किस विधा की रचना है ? 1

2. (क) प्रयोगवादी काव्यधारा की दो प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए । 2

   (ख) रीतिमुक्त कवियों में से किन्हीं दो का नामोल्लेख कीजिए । 2

   (ग) निम्नलिखित रचनाओं में से किसी एक के रचनाकार का नामोल्लेख कीजिए : 1
   (i) रसवन्ती
   (ii) आँसू
   (iii) गीत-फरोश
   (iv) बहुरि अकेला

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2 = 6

   (क) एक प्राचीन विद्वान का वचन है – "विश्वासपात्र मित्र से बड़ी रक्षा रहती है । जिसे ऐसा मित्र मिल जाय उसे समझना चाहिए कि खजाना मिल गया ।" विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषध है । हमें अपने मित्रों से यह आशा रखनी चाहिए कि वे उत्तम संकल्पों से हमें दृढ़ करेंगे, दोषों और त्रुटियों से हमें बचाएँगे, हमारे सत्य, पवित्रता और मर्यादा के प्रेम को पुष्ट करेंगे, जब हम कुमार्ग पर पैर रखेंगे, तब वे हमें सचेत करेंगे, जब हम हतोत्साहित होंगे तब हमें उत्साहित करेंगे ।

   (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
   (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
   (iii) हमें अपने मित्रों से कौन सी आशा रखनी चाहिए ?

(ख) आज विज्ञान मनुष्यों के हाथों में अद्‌भुत और अतुल शक्ति दे रहा है, उसका उपयोग एक व्यक्ति और समूह के उत्कर्ष और दूसरे व्यक्ति और समूह के गिराने में होता ही रहेगा । इसलिए हमें उस भावना को जाग्रत रखना है और जाग्रत रखने के लिए कुछ ऐसे साधनों को भी हाथ में रखना होगा, जो अहिंसात्मक त्याग-भावना को प्रोत्साहित करें और भोग-भावना को दबाए रखें । नैतिक अंकुश के बिना शक्ति मानव के लिए हितकर नहीं होती । वह नैतिक अंकुश यह चेतना या भावना ही दे सकती है । वही उस शक्ति को परिमित भी कर सकती है और उपयोग को नियन्त्रित भी ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) आज विज्ञान मनुष्य के हाथ में कैसी शक्ति दे रहा है ?

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए और उसका काव्यगत सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 1 + 4 + 1 = 6

(क) मानुष हौं तौ वही रसखानि,
बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन ।
जौ पशु हौं तो कहा बस मेरो,
चरौं नित नन्द की धेनु मझारन ।।
पाहन हौं तो वही गिरि को,
जो धर्‌यो कर छत्र पुरन्दर-धारन ।
जो खग हौं तो बसेरो करौं,
मिलि कालिंदी-कूल कदंब की डारन ।।

(ख) फूल गिरते, शूल,
शिर ऊँचा लिए हैं ।
रसों के अभिमान,
को नीरस किये हैं ।
खून हो जाये न तेरा देख, पानी,
मरण का त्योहार, जीवन की जवानी ।।

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए और उनकी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3

(i) जयप्रकाश भारती

(ii) रामधारीसिंह 'दिनकर'

(iii) भगवतशरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3

(i) तुलसीदास

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) अशोक वाजपेयी

6. निम्नलिखित का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1 + 3 = 4

एषा नगरी भारतीयसंस्कृतेः संस्कृतभाषायाश्च केन्द्रस्थली अस्ति । इत एव संस्कृतवाङ्मयस्य संस्कृतेश्च आलोकः सर्वत्र प्रसृतः । मुगलयुवराजः दाराशिकोहः अत्रागत्य भारतीय-दर्शन-शास्त्राणाम् अध्ययनम् अकरोत् । स तेषां ज्ञानेन तथा प्रभावितः, यत् तेन उपनिषदाम् अनुवादः पारसी-भाषायां कारितः ।

अथवा

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत् ।।

7. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो। **2**

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : **1 + 1 = 2**

(i) अलक्षेन्द्रः पुरोः केन भावेन हर्षितः अभवत् ?

(ii) प्रहेलिकायाः किम् उत्तरम् आसीत् ?

(iii) उपेक्षया किम् वर्धते ?

(iv) भारतीयसंस्कृतेः मूलं किम् अस्ति ?

8. (क) निम्नलिखित में प्रयुक्त रस को पहचान कर लिखिए : **2**

बिलपहिं बिकलदास अरु दासी। घर घर रुदन करहिं पुरवासी।
अँथयउ आजु भानुकुल भानू। धरम अवधि गुन रूप निधानू।।

(ख) निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार पहचान कर लिखिए : **2**

सोहत ओढ़े पीतु पटु, श्याम सलोने गात।
मनौ नीलमनि-सैल पर, आतप पर्‌यो प्रभात।।

(ग) 'रोला' अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण और उदाहरण दीजिए। **2**

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से **एक-एक** शब्द बनाइए : **1 + 1 + 1 = 3**

(i) निर् (ii) अप (iii) अधि
(iv) उप (v) अभि

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्ययों का प्रयोग करके **एक-एक** शब्द बनाइए : **1 + 1 = 2**

(i) त्व (ii) हट (iii) पन
(iv) आई (v) वट

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : **1 + 1 = 2**

(i) देश-विदेश (ii) पंचपात्र
(iii) लम्बोदर (iv) महात्मा

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के तत्सम रूप लिखिए : **1 + 1 = 2**

(i) जेठ (ii) दरसन
(iii) सुमिरन (iv) आखर

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के **दो-दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए : **½ + ½ + ½ + ½ = 2**

(i) विष्णु (ii) हिरन
(iii) बिजली (iv) चन्द्रमा

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में सन्धि कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए : **1 + 1 = 2**

(i) लृ + आकृतिः (ii) मधु + अरि
(iii) तदा + एव (iv) महा + ओघः

(ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप पञ्चमी विभक्ति बहुवचन में लिखिए : **1 + 1 = 2**

(i) नदी **अथवा** मधु

(ii) युष्मद् **अथवा** तद् (स्त्रीलिंग)

(ग) निम्नलिखित में से किसी **एक** की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए : **2**

(i) पठेः (ii) हसतु (iii) पचताम्

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : **1 + 1 = 2**

(i) घर पर पत्नी मित्र होती है।

(ii) भारतीय संस्कृति सदैव गतिशील है।

(iii) विद्या अभ्यास से बढ़ती है।

(iv) चन्द्रमा को देखकर समुद्र बढ़ता है।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) सत्संगति का महत्त्व

(ii) किसी देखे हुए मेले का वर्णन

(iii) देश के प्रति हमारा कर्त्तव्य

(iv) मेरा प्रिय नेता

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर लिखिए : 3

(क) (i) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए ।

(ii) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी के जीवन में घटित प्रमुख घटना को संक्षेप में लिखिए ।

(ख) (i) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'ज्योति-जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहर लाल नेहरू की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आयोजन सर्ग का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए ।

(घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के भामाशाह सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर राणा प्रताप के जीवन में घटित प्रमुख घटना को संक्षिप्त रूप में लिखिए ।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथा-सार अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के उन प्रमुख पात्रों का संक्षिप्त परिचय दीजिए, जिन्होंने सुभाष को विशेष रूप से प्रभावित किया ।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर 'आजाद' के देश-प्रेम का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के संकल्प सर्ग का कथा-सार लिखिए ।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कुन्ती का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर सप्तम सर्ग का कथा-सार लिखिए ।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर राम का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए ।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर मेघनाद-वध सर्ग का कथानक लिखिए ।

901

801 (HE)

2018

हिन्दी

केवल प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 70*

निर्देश : *प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।*

1\. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए : 1

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल एक सुप्रसिद्ध कवि हैं ।

(ii) 'ममता' जयशंकर प्रसाद का एक महाकाव्य है ।

(iii) 'गोदान' प्रेमचन्द का प्रसिद्ध उपन्यास है ।

(iv) 'झाँसी की रानी' के लेखक उपेन्द्रनाथ 'अश्क' हैं ।

Scanned with CamScanner

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के लेखक का नाम लिखिए :

(i) तीर्थसलिल

(ii) उजली आग

(iii) ठूँठा आम

(iv) हिमालय की पुकार

(ग) 'कंकाल' किस विधा की रचना है ? 1

(घ) 'कलम का सिपाही' के लेखक का नाम लिखिए । 1

(ङ) हिन्दी के किसी एक नाटककार का नाम लिखिए । 1

2. (क) रीतिकाल की दो प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए । 2

(ख) छायावाद की दो विशेषताएँ लिखिए । 2

(ग) प्रयोगवाद की किसी एक प्रवृत्ति का उल्लेख कीजिए । 1

Scanned with CamScanner

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी *एक* के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2=6

(क) मित्र का कर्तव्य इस प्रकार बताया गया है — उच्च और महान कार्य में इस प्रकार सहायता देना, मन बढ़ाना और साहस दिलाना कि तुम अपनी निज की सामर्थ्य के बाहर काम कर जाओ । यह कर्तव्य उसी से पूरा होगा, जो दृढ़ चित्त और सत्य-संकल्प का हो । इससे हमें ऐसे ही मित्रों की खोज में रहना चाहिए, जिनमें हमसे अधिक आत्मबल हो । हमें उसका पल्ला उसी तरह पकड़ना चाहिए, जिस तरह सुग्रीव ने राम का पल्ला पकड़ा था । <u>मित्र हों तो प्रतिष्ठित और शुद्ध हृदय के हों, मृदुल और पुरुषार्थी हों, शिष्ट और सत्यनिष्ठ हों, जिससे हम अपने को उनके भरोसे पर छोड़ सकें और यह विश्वास कर सकें कि उनसे किसी प्रकार का धोखा न होगा ।</u>

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) मित्र का कर्तव्य कैसा होना चाहिए ?

Scanned with CamScanner

(ख) आज विज्ञान मनुष्यों के हाथों में अद्भुत और अतुल शक्ति दे रहा है, उसका उपयोग एक व्यक्ति और समूह के उत्कर्ष और दूसरे व्यक्ति और समूह के गिराने में होता ही रहेगा । इसलिए हमें उस भावना को जाग्रत रखना है और उसे जाग्रत रखने के लिए कुछ ऐसे साधनों को भी हाथ में रखना होगा, जो अहिंसात्मक त्यागभावना को प्रोत्साहित करें और भोग-भावना को दबाए रखें । नैतिक अंकुश के बिना शक्ति मानव के लिए हितकर नहीं होती ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) विज्ञान की शक्ति के संतुलित उपयोग के लिए किस भावना को जाग्रत रखना आवश्यक है ?

Scanned with CamScanner

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी *एक* की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए तथा उसका काव्य-सौन्दर्य भी स्पष्ट कीजिए : *1+4+1=6*

(क) या अनुरागी चित्त की, गति समुझै नहिं कोइ ।
ज्यौं-ज्यौं बूड़े स्याम रंग, त्यौं-त्यौं उज्जलु होइ ।।
बसै बुराई जासु तन, ताही को सनमानु ।
भलौ-भलौ कहि छोडियै, खोटैं ग्रह जपु दानु ।।

(ख) श्वास ये संगी तरंगी क्षण प्रतिक्षण
और प्रति पदचिह्न परिचित पंथ के कण
शून्य का शृंगार तू
उपहार तू किस काम मेला
बढ़ अकेला

(क) निम्नलिखित में से किसी *एक* लेखक का जीवन-परिचय दीजिए और उसकी किसी *एक* रचना का नाम लिखिए : *2+1=3*

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(iii) जयप्रकाश भारती

(ख) निम्नलिखित में से किसी *एक* कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी किसी *एक* रचना का नाम लिखिए : *2+1=3*

(i) तुलसीदास
(ii) बिहारीलाल
(iii) महादेवी वर्मा

Scanned with CamScanner

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1+2

एषा नगरी भारतीय संस्कृतेः संस्कृतभाषायाश्च केन्द्रस्थली अस्ति । इत एव संस्कृत-वाङ्मयस्य संस्कृतेश्च आलोकः सर्वत्र प्रसृतः । मुगलयुवराजः दाराशिकोहः अत्रागत्य भारतीय दर्शन-शास्त्राणाम् अध्ययनम् अकरोत् । स तेषां ज्ञानेन तथा प्रभावितः अभवत्, यत् तेन उपनिषदाम् अनुवादः पारसीभाषायां कारितः ।

अथवा

नीर-क्षीर-विवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत् ।
विश्वस्मिन्नधुनान्यः कुलव्रतं पालयिष्यति कः ॥

7. (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कंठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो ।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1+1=

(i) कुत्र मरणं मंगलं भवति ?

(ii) ग्रामीणान् कः उपाहसत् ?

(iii) विद्या केन वर्धते ?

Scanned with CamScanner

(क) करुण रस **अथवा** हास्य रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2

(ख) रूपक **अथवा** उत्प्रेक्षा अलंकार की परिभाषा सोदाहरण लिखिए। 2

(ग) 'रोला' **अथवा** 'सोरठा' छंद का लक्षण और उदाहरण लिखिए। 2

(क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं *तीन* के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : *1+1+1=3*

(i) अप

(ii) प्र

(iii) अधि

(iv) अभि

(v) परि

(vi) सु

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : *1+1=2*

(i) आई

(ii) ता

(iii) वट

(iv) त्व

(v) पन

Scanned with CamScanner

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* के समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : 1+1=2

(i) त्रिलोक

(ii) तुलसीकृत

(iii) सत्याग्रह

(iv) चन्द्रमुख

(v) जल-थल

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* के तत्सम रूप लिखिए : 1+1=2

(i) कपड़ा

(ii) मुँह

(iii) घर

(iv) दूध

(v) धरती

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 2

(i) नदी

(ii) पर्वत

(iii) इन्द्र

(iv) फूल

(v) हाथी

4.5

Scanned with CamScanner

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** में सन्धि-विच्छेद कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए : *1+1=2*

(i) प्रत्युत्तरम्

(ii) तथैव

(iii) देवैश्वर्यम्

(iv) गुर्वादिशः

(ख) निम्नलिखित शब्दों के षष्ठी विभक्ति, एकवचन के रूप लिखिए : *1+1=2*

(i) मति **अथवा** फल

(ii) युष्मद् **अथवा** तद् (वह) (पुंलिङ्ग)

(ग) निम्नलिखित में से किसी ***एक*** की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए : 2

(i) पचति

(ii) अपठाम्

(iii) पश्यतु

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2

(i) देशभक्त निर्भीक होते हैं ।

(ii) अपने राष्ट्र की रक्षा करना हमारा धर्म है ।

(iii) वृक्ष से फल गिरते हैं ।

(iv) दान से कीर्ति बढ़ती है ।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) पर उपदेश कुशल बहुतेरे

(ii) मेरी प्रिय पुस्तक

(iii) जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(iv) किसी मेले का आँखों देखा वर्णन

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए : 3

(क) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग और तृतीय सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाषचन्द्र बोस का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

Scanned with CamScanner

(ग) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर षष्ठ सर्ग 'राम-भरत-मिलन' का सारांश लिखिए ।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर कैकेयी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(घ) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ङ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में लिखिए ।

(च) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर पं. जवाहरलाल नेहरू का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में लिखिए ।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

(छ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(ज) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग 'श्रीकृष्ण और कर्ण' का सारांश लिखिए ।

(झ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथा का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

Scanned with CamScanner

901

801(HF)

2018

हिन्दी

केवल प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 70

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए : 1

i) धर्मवीर भारती रीतिमुक्त काव्यधारा के प्रमुख कवि हैं ।

ii) 'कुटज' डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी का प्रसिद्ध निबन्ध है ।

iii) 'उजली आग' यशपाल का निबन्ध-संग्रह है।

iv) 'डॉ० नगेन्द्र' ख्यातिप्राप्त उपन्यासकार हैं ।

[Turn over

Scanned with CamScanner

ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी **एक** कृति के लेखक का नाम लिखिए : 1

i) 'मकरंद बिन्दु'

ii) 'चतुर चंचला'

iii) 'राज्यश्री'

iv) 'रसवन्ती' ।

ग) 'सुल्ताना' के उपन्यासकार का नाम लिखिए । 1

घ) किसी एक रिपोर्ताज लेखक का नाम लिखिए । 1

ङ) 'मतवाला' पत्रिका के सम्पादक का नाम लिखिए । 1

2. क) प्रयोगवादी काव्यधारा के किन्हीं **दो** कवियों के नाम लिखिए । 1 + 1

ख) द्विवेदी युग की कविता की **दो** विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 1 + 1

ग) डॉ० रामकुमार वर्मा की एक रचना का नाम लिखिए । 1

Scanned with CamScanner

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2

क) हमलोग कच्ची मिट्टी की मूर्ति के समान रहते हैं, जिसे जो जिस रूप का चाहे उस रूप का करें - चाहे राक्षस बनावें, चाहे देवता । ऐसे लोगों का साथ करना हमारे लिए बुरा है जो हमसे अधिक दृढ़ संकल्प के हैं; क्योंकि हमें उनकी हर एक बात बिना विरोध के मान लेनी पड़ती है । पर ऐसे लोगों का साथ करना और बुरा है, जो हमारी ही बात को ऊपर रखते हैं; क्योंकि ऐसी दशा में न तो हमारे ऊपर कोई दबाव है और न हमारे लिए कोई सहारा रहता है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) कैसे लोगों का साथ करना बुरा है ?

ख) दुनिया के सभी भागों में स्त्री-पुरुष और बच्चे रेडियो से कान सटाए बैठे थे, जिनके पास टेलीविजन थे, वे उसके पर्दे पर आँखें गड़ाए थे । मानवता के सम्पूर्ण इतिहास की सर्वाधिक रोमांचक घटना के एक क्षण के वे भागीदार बन

[Turn over

Scanned with CamScanner

रहे थे – उत्सुकता और कुतूहल के कारण अपने अस्तित्व से बिल्कुल बेखबर हो गये थे ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) रोमांचक घटना के भागीदार कौन बन रहे थे ?

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए और उसका काव्यगत सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 1 + 4 + 1

क) सीस जटा, उर बाहु विसाल, विलोचन लाल, तिरीछी सी भौंहें ।

तून सरासन बान धरे, तुलसी बन-मारग में सुठि सोहैं ।।

सादर बार हि बार सुभाय चितै, तुम त्यौं हमरे मन मोहैं ।

पूछति ग्राम वधू सिय सों कहो साँवरे से सखि रावरे कोहैं ।

Scanned with CamScanner

ख) "निर्भय स्वागत करो मृत्यु का,

मृत्यु एक है विश्राम स्थल ।

जीव जहाँ से फिर चलता है,

धारण कर नव जीवन-संबल ।।

मृत्यु एक सरिता है, जिसमें,

श्रम से कातर जीव नहाकर ।।

फिर नूतन धारण करता है,

काया-रूपी वस्त्र बहाकर ।।"

5. क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1

i) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

ii) जय प्रकाश भारती

iii) जयशंकर प्रसाद ।

ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1

i) सुभद्रा कुमारी चौहान

ii) सुमित्रा नन्दन पन्त

iii) बिहारी लाल ।

Scanned with CamScanner

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1 + 3

इमानि यन्त्राणि अत्र केवलम् इदं विज्ञापयितुं प्रचलन्ति यद् अन्यस्य कस्यचित् लोकस्य मानवः इदं तथ्यं जानीयात् अस्माकं सन्देशं च गृह्णीयात् । अचिरमेव इदं सर्वं स्वयमेव विनङ्क्ष्यति ।" एवं विज्ञाप्य सः ध्वनिः सहसा विरतः तत्र कोऽपि महान् घर्घरनादः च उत्थितः । अहमपि भूमौ अपतम् । तदा मया ज्ञातं यद् अहम् एकं विचितं स्वप्नम् अपश्यम् ।

अथवा

"धान्यानामुत्तमं दाक्ष्यं धनानामुत्तमं श्रुतम् ।
लाभानां श्रेयमारोग्यं आरोग्यं सुखानां तुष्टिरुत्तमा ।"

7. क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । 2

ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1 + 1

i) कुत्र मरणं मंगलं भवति ?

ii) 'भारतम् एकम् राष्ट्रम् इति' कस्य उक्तिः ?

iii) विश्वस्य स्रष्टा कः ?

iv) सः पर्यटकः अन्तरिक्षं केन यानेन अगच्छत् ?

Scanned with CamScanner

8\. क) करुण रस **अथवा** हास्य रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । 2

ख) उपमा **अथवा** रूपक अलंकार की परिभाषा एवं उसका उदाहरण लिखिए । 2

ग) रोला **अथवा** सोरठा छन्द का लक्षण एवं उदाहरण दीजिए । 2

9\. क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं **तीन** के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1 + 1

i) कु

ii) बे

iii) प्र

iv) वि

v) उप

vi) अभि ।

ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1

i) आनी

ii) आकू

iii) वान्

iv) त्व ।

Scanned with CamScanner

ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : 1 + 1 1

i) स्वर्ण-कलश

ii) मीनाक्षी

iii) शताब्दी

iv) यशोधन ।

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के तत्सम रूप लिखिए : 1 + 1

i) नारियल

ii) अमिय

iii) पोथी

iv) मूस ।

ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1 + 1

i) कोयल

ii) वज्र

iii) कपड़ा

iv) अतिथि

v) वानर ।

Scanned with CamScanner

10. क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में सन्धि कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए : 1 + 1

i) पित्रादेशः

ii) नारी + उपदेशः

iii) उष्ण + ओदनम्

iv) दधि + आनय ।

ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप षष्ठी विभक्ति, बहुवचन में लिखिए : 1 + 1

i) फल **अथवा** मति

ii) अस्मद् **अथवा** तद् (पुल्लिंग) ।

ग) निम्नलिखित में से किसी **एक** की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : 2

i) हसावः

ii) पश्यानि

iii) पठेः ।

Scanned with CamScanner

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 1 + 1

i) भिक्षुकों को दान दो ।

ii) वे दोनों पाठशाला गये ।

iii) मेरे मित्र ने चलचित्र देखा ।

iv) हम सब भारत के नागरिक हैं ।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

i) सब पढ़ें सब बढ़ें

ii) शिक्षा में दर्शन का महत्व

iii) शिक्षा का व्यवसायीकरण

iv) जल ही जीवन है ।

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए : 3

क) i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए ।

ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष चन्द्र बोस का चरित्रांकन कीजिए ।

Scanned with CamScanner

ख) i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर नवम सर्ग का वर्णन कीजिए ।

ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'मेघ-नाद-प्रतिज्ञा' का वर्णन कीजिए ।

ग) i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग 'राजभवन' में वर्णित घटनाओं पर प्रकाश डालिए ।

ii) 'कर्मवीर भरत' के पंचम सर्ग 'वनगमन' का सारांश लिखिए ।

घ) i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के प्रतिपाद्य विषय (उद्देश्य) को समझाइए ।

ङ) i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के 'चिन्ता' पंचम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के 'लक्ष्मी' (द्वितीय) सर्ग का सारांश लिखिए ।

Scanned with CamScanner

च) i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य में व्यक्त राष्ट्रीय भावना पर प्रकाश डालिए ।

छ) i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग (संकल्प) का सारांश लिखिए ।

ii) " 'चन्द्रशेखर आजाद' उत्कृष्ट देश प्रेमी थे ।" खण्डकाव्य के आधार पर पुष्टि कीजिए ।

ज) i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' द्वारा 'कवच-कुन्डल दान' का वर्णन कीजिए ।

ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

झ) i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर राजसूय-यज्ञ का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर जरासन्ध वध का वर्णन कीजिए ।

Scanned with CamScanner

U.P. BOARD CLASS 10 HINDI- 2018
उत्तर प्रदेश बोर्ड कक्षा 10 हिन्दी- 2018
801 (HD)

हिन्दी

समय: तीन घण्टे 15 मिनट - पूर्णांक: 70

निर्देश: प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

प्र.1 (क) निम्नलिखित कथनों में से एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए: (1)

(1) श्यामसुन्दर दास प्रसिद्ध कवि हैं।

(2) 'तितली' जयशंकर प्रसाद का उपन्यास है।

(3) यशपाल निबन्धकार के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(4) 'मिट्टी की ओर' रामचन्द्र शुक्ल का निबन्ध संग्रह है।

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के लेखक का नाम लिखिए: (1)

(1) जंगल के बीच (2) रूपक रहस्य (3) ग्यारह वर्ष का समय (4) कहनी-अनकहनी

(ग) 'मेरी असफलताएँ' किस विधा की रचना है? (1)

(घ) अतीत के चल चित्र के लेखक का नाम लिखिए। (1)

(ड.) किसी एक गद्यगीत लेखक का नाम लिखिए। (1)

प्र.2 (क) रीतिकाल की दो विशेषताएँ लिखिए। (2)

(ख) प्रगतिवाद की दो प्रवृत्तियाँ लिखिए। (2)

(ग) 'प्रियप्रवास' के रचयिता का नाम लिखिए। (1)

प्र.3 निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (2+2+2=6)

(क) भारत के इतिहास में बुद्धदेव, महावीर स्वामी, नागार्जुन, शंकराचार्य, कबीर, नानक, राजा राम मोहनराय, स्वामी दयानन्द और महात्मा गांधी में ही सुधारकों की गणना समाप्त नहीं होती। सुधारकों का दल नगर-नगर और गाँव-गाँव में होता है। यह सच है कि जीवन में नये-नये क्षेत्र उत्पन्न होते जाते हैं और नये-नये सुधार हो जाते हैं। न दोषों का अन्त है और न सुधारों का। जो कभी सुधार थे, वे ही आज दोष हो गये हैं और उन सुधारों का फिर नवसुधार किया जाता है।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(2) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(3) दोषों का अन्त क्यों नहीं होता है?

(ख) मृत्यु शायद फिर भी श्रेष्ठ है, बनिस्बत इसके कि हमें अपने गुणों को कुंठित बनाकर जीना पड़े। ईर्ष्या से जला-भुना आदमी जहर की चहली-फिरती गठरी के समान है, जो हर जगह वायु को दूषित करती फिरती है।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(2) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(3) ईर्ष्यालु और चिन्ताग्रस्त आदमी में क्या अन्तर है?

प्र.4 निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए: (1+4+1=6)

(क) ऊधौ मन न भये दस बीस।

एक हुतौ सो गयो स्याम सँग, कौ अवराधै ईस।।

इन्द्री शिथिल भई केसव बिनु, ज्यों देही बिनु सीस।
आसा लागि रहति तन स्वासा, जीवहिं कोटि बरीस।।
तुम तौ सखा स्याम सुन्दर के, सकल जोग के ईस।
सूर हमारे नंद-नंदन बिनु, और नहीं जगदीस।।
(ख) मानुष हों तो वही रसखानि, बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन।
जौ पसु हो तो कहा बस मेरो, चरों नित नंद की धेनु मँझारन।।
पाहन हों तो वही गिरि को, जो धरयों कर छत्र पुरंदर-धारन।
जो खग हों तो बसेरो करौं मिलि कालिंदी-कूल कदंब की डारन।।

प्र.5 (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय दीजिए एवं उनकी एक रचना का नाम लिखिए: (2+1=3)

(1) रामचन्द्र शुक्ल (2) जयप्रकाश भारती (3) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी एक रचना का उल्लेख कीजिए: (2+1=3)

(1) तुलसीदास (2) महादेवी वर्मा (3) सुमित्रानन्दन पन्त

प्र.6 निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए: (1+3=4)

इयं नगरी विविधधर्माणां संगमस्थली। महात्मा बुद्धः, तीर्थंकरः
पार्श्वनाथः, शंकराचार्यः, कबीरः, गोस्वामी तुलसीदासः,
अन्ये च बहवः महात्मानः अत्रागत्य स्वीयान् विचारान्
प्रासारयन्। न केवलं दर्शनें, साहित्ये, धर्मे अपितु कलाक्षेत्रेऽपि
इयं नगरी विधिान्तं कलानां, शिल्पानां च कृते लोके विश्रुता।
अत्रत्या कौशेयशाटिकाः देशे-देशे सर्वत्र स्पृह्यन्ते।

अथवा

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत्।।

प्र.7 (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कंठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो। (2)

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए: (1+1=2)

(1) हंसस्य कुलव्रतम् किं अस्ति?
(2) अलक्षेन्द्रः कः आसीत्?
(3) तृष्णा केन वर्धते?
(4) मनुष्यः किं हित्वा सुखी भवति?

प्र.8 (क) हास्य अथवा करुण रस की परिभाषा लिखिए एवं उसका एक उदाहरण भी दीजिए। (2)

(ख) उपमा अथवा उत्प्रेक्षा अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। (2)

(ग) रोला अथवा सोरठा छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। (2)

प्र.9 (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए: (1+1+1=3)

(1) अप (2) अधि (3) परि (4) उप (5) अभि (6) सह

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए: (1+1=2)

(1) त्व (2) ता (3) पन (4) हट (5) वट

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए: (1+1=2)
(1) घी-शक्कर (2) विषधर (3) नीलाम्बर (4) शताब्दी
(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए। (1+1=2)
(1) भगत (2) प्यारा (3) अँगुली (4) कान
(ड.) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: (2)
(1) सरिता (2) तीर (3) बिजली (4) मेघ (5) कामदेव
प्र.10 (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए और संधि का नाम लिखिए: (2)
(1) अद्य + एव (2) मनु + अन्तर (3) महा + औदार्य (4) उपरि + उत्तम्
(ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप पंचमी विभक्ति एकवचन में लिखिए: (1+1=2)
(1) मधु अथवा फल (2) तद् (पुल्लिंग) अथवा युष्मद्
(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए: (2)
(1) पश्यतम् (2) अपठम् (3) अहसन्
(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए: (2)
(1) विक्रम परोपकारी राजा था।
(2) क्या तुम घर जाओगे?
(3) मेरा मित्र अच्छा लड़का है।
(4) लड़कों ने बहुत परिश्रम किया।
प्र.11 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: (6)
(1) योग शिक्षा की आवश्यकता
(2) मनुष्य अपने भाग्य का स्वयं निर्माता है
(3) वर्तमान समय में समाचार पत्र की उपादेयता
(4) देश प्रेम
(5) बढ़ती आबादी सिमटते साधन
प्र.12 अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए: (3)
(क) (1) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।
(2) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।
(ख) (1) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधापर पर अशोक का चरित्र चित्रण कीजिए।
(2) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य का सारांश संक्षेप में लिखिए।
(ग) (1) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक लिखिए।
(2) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।
(घ) (1) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।
(2) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक लिखिए।
(ड.) (1) 'जयसुभाष' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।
(2) 'जयसुभाष' के प्रधान पात्र का चरित्रांकन कीजिए।
(च) (1) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु लिखिए।
(2) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

(छ) (1) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(2) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की दानशीलता का उल्लेख कीजिए।

(ज) (1) 'कर्मवीर भरत' के षष्ठ सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

(2) 'कर्मवीर भरत' के नायक की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

(झ) (1) 'तुमुल' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

(2) 'तुमुल' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए।

*****